...न अफ्रीकी देशों को अमानवीय शोषण 'मॉर्ल्ड ऑर्गेनाइजेशन' के संगठन...
बेल्जियम के शासक लियोपोल्ड II ने 1876 ई. ब्रुसेल्स में सम्मेलन का आयोजन किया और अंतर्राष्ट्रीय संस्था की स्थापना की। इसमें यूरोपीय देशों के मध्य आपसी विवादों का शांतिपूर्ण समाधान किया जाने।

- जर्मनी ने कॉंगो की समस्या तथा अन्य विवादों के निराकरण के लिए मांग की। यह नवंबर 1884 ई. से फरवरी 1885 ई. तक चला। इसके बाद में सभी यूरोपीय राज्यों को आपस में नौ परिवहन की अनुमति दी के संचालन सम्मेलन के लिए एक आयोग की स्थापना हुई।
- बर्लिन सम्मेलन में अफ्रीका के शैक्षणिक व आर्थिक विकास को यूरोप का बताया गया था, लेकिन यूरोपीय राज्यों ने अफ्रीका को आपस में बाँट लिया। सम्मेलन के कई मकसद पैदा हुए लेकिन कोई बड़ी टकराहट नहीं हुई।

विभिन्न यूरोपीय देशों के अफ्रीकी संरक्षणवाद

फ्रांस ⇒ अल्जीरिया, मोरक्को, ट्यूनीशिया, आईवरी कोस्ट आदि
इंग्लैंड ⇒ मिस्र, सूडान, दक्षिण अफ्रीका, रोडेशिया केन्या, नाइजीरिया
जर्मनी ⇒ ~~कैमरून~~, ~~टोगोलैंड~~, युगांडा, गोल्ड कोस्ट
कैमरून, टोगोलैंड
पुर्तगाल ⇒ अंगोला, पूर्वी मोजाम्बिक